आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/59353
डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023

दैनिक समाचार–पत्र

प्रेषण :- कार्यालय चेतक सर्कल पोस्ट ऑफिस ,उदयपुर
प्रेषण दिनांक: -प्रतिदिन

मन के जीते जीत सदा

• वर्ष - 9 • अंक-2489 • उदयपुर, मंगलवार 19 अक्टूबर, 2021 • प्रेषण दिनांक : प्रतिदिन • कुल पृष्ठ : 4 • मूल्य : 1 रुपया

आपका अपना नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

35 दिव्यांग भाई बहनों को सुनेल शिविर में मिले कृत्रिम अंग

पंचायत समिति सुनेल झालावाड़ के सभागार में शुक्रवार को नारायण सेवा संस्थान उदयपुर एवं पूर्व सरपंच घनश्याम जी पाटीदार परिवार के तत्वावधान में दिव्यांग कृत्रिम अंग शिविर आयोजित किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि पंचायत समिति प्रधान सीता कुमारी जी एवं पूर्व प्रधान कन्हैया लाल जी पाटीदार रहे। शिविर की अध्यक्षता घनश्याम जी पाटीदार पूर्व सरपंच द्वारा की गई एवं विशिष्ट अतिथि जनपद ललित कुमार जी, कालु लाल जी जनपद, प्रकाश जी, रघुवीर सिंह जी शक्तावत पूर्व सरपंच, संदीप जी व्यास, पूर्व सरपंच बद्रीलाल जी भंडारी रहे।

शिविर में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संस्थान उदयपुर की जानकारी व कार्यक्रम का संचालन फील्ड प्रभारी मुकेश कुमार जी शर्मा ने किया। शिविर में अतिथियों का स्वागत मेवाड़ की पगड़ी व उपरणा पहनाकर शिविर प्रभारी हरी प्रसाद जी लढ्ढा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि प्रधान सीता कुमारी जी ने बताया कि उदयपुर संस्थान में सेवक प्रशांत जी भैया अध्यक्ष एवं वंदना जी अग्रवाल द्वारा जो सेवा कार्य हो रहा वो सराहनीय कार्य है नर सेवा ही नारायण सेवा है, दिव्यांग भाई बहनों को आर्टीफिशियल हाथ व पैर लगने के बाद वो अपने पैर पर चलकर घर जाते देखा बहुत खुशी हुई, उनके चेहरे पर मुस्कान आ रही थी, यही सच्ची मानव सेवा है। उन्होंने कहा कि संस्थान उदयपुर में पलक जी अग्रवाल द्वारा गरीब राशन वितरण का कार्य किया जा रहा है, निःशुल्क दवाइयां, कपड़े, गरीब बच्चों की पढ़ाई का खर्च, सभी निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है। शिविर में 35 दिव्यांग भाई बहनों को कृत्रिम अंग लगाए गए। शिविर में मुकेश जी शर्मा ने दानदाताओं से निवेदन किया कि अपनी साल भर की कमाई में से दसवां हिस्सा जरूर दान करना चाहिए और अच्छी सेवा के काम में धन रूपी लक्ष्मी का सदुपयोग करें। शिविर में शिविर प्रभारी हरी प्रसाद जी लढ्ढा, फील्ड प्रभारी मुकेश कुमार जी शर्मा, लोगर जी डांगी, डॉक्टर भंवर सिंह जी, मुन्ना भाई जी, अनिल जी पाटीदार, छोटू जी पाटीदार, गौरव जी का पूर्ण सहयोग रहा।

हमीरपुर में कृत्रिम अंग सेवा

नारायण सेवा संस्थान की देश–विदेश में स्थित शाखायें भी दिव्यांगजनों को राहत प्रदान करने व सेवा करने में तत्पर हैं। गत 17–18 जुलाई 2021 को ज्वालाजी, जिला– कांगड़ा, (हि.प्र.) की हमीरपुर शाखा द्वारा मातृ सदन, सरस्वती विद्यालय के पास कृत्रिम अंग वितरण शिविर लगाया गया।

इस शिविर में कुल 68 दिव्यांगजन आये। जिनमें से 28 को कृत्रिम अंग प्रदान किये। तथा 40 को केलिपर्स वितरित किये गये।

शिविर में गरिमामय उपस्थिति श्रीमान् प्रेमकुमार जी धूमल– पूर्व मुख्यमंत्री हि.प्र. (मुख्य अतिथि), श्रीमान् रमेश जी घवाला– पूर्व मंत्री वरमानीया विद्यायक (अध्यक्ष), श्रीमान् रविन्द्र रवि जी– पूर्व मंत्री महोदय (विशिष्ट अतिथि), श्रीमान् रसील सिंह जी मनकोटिया– शाखा संयोजक हमीरपुर, श्रीमान् संजय जी जोशी– पत्रकार, श्रीमान पंकज जी शर्मा एवं श्री रामस्वरूप जी शास्त्री– समाजसेवी पधारे। टेक्निशियन टीम में श्री नरेश जी वैष्णव एवं श्री किशन जी लोहार ने सेवाएं दी। शिविर टीम श्री अखिलेश जी अग्निहोत्री– प्रभारी, श्री रमेश जी मेनारिया, श्री मुन्ना सिंह जी आदि ने सहयोग किया।

खुर्जा (उत्तरप्रदेश) में कृत्रिम अंग वितरण शिविर

नारायण सेवा संस्थान आप सभी की शुभकामनाओं व सहयोग से विश्वभर में दिव्यांग सहायता व सेवा में लिये जानी जा रही है। देश–विदेश में समय–समय पर शिविर लगाकर कृत्रिम अंगों का वितरण, दिव्यांग सहायक उपकरण एवं दिव्यांग ऑपरेशन जारी है।

ऐसा ही कृत्रिम अंग वितरण शिविर 12 अगस्त 2021 को नारायण सेवा संस्थान के खुर्जा, जिला– बुलंदशहर, उत्तरप्रदेश आश्रम में संपन्न हुआ।

इस शिविर में 19 दिव्यांगों के लिये कृत्रिम अंग तथा 07 के लिये कैलिपर्स की सेवा सराहनीय हुई। उक्त शिविर में मुख्य अतिथि श्री हरपाल सिंह जी (पूर्व विधायक खुर्जा), अध्यक्षता श्री सत्यवीर शास्त्री जी (पूर्व प्रधान महोदय, खुर्जा), विशिष्ट अतिथि श्रीमान जयप्रकाश जी चौहान, श्रीमान राजप्रताप सिंह जी (समाज सेवी), श्रीमान योगेन्द्र प्रताप जी राघव (सेवा प्रेरक एवं संयोजक) कृपा करके पधारे और संस्थान की सेवा प्रकल्पों की सराहना की।

टेक्नीशयन टीम में श्री नाथूसिंह जी, शिविर टीम में श्री हरिप्रसाद जी (शिविर प्रभारी), श्री भरत जी भट्ट का पूर्ण योगदान रहा।

उदयपुर में नारायण सेवा संस्थान का "वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी" दिव्यांग और निर्धनों मानवों की सेवा का प्रमुख केन्द्र

सेवा की पहचान रखने वाला नारायण सेवा संस्थान उदयपुर अब देश और दुनिया के रोगियों और दिव्यांगों की सेवा के लिए उदयपुर शहर की माली कॉलोनी में एशिया का पहला फेब्रिकेशन सेंटर बना रहा है, जो अपना आप में खास होगा। संस्थापक पद्म श्री कैलाश जी मानव के अनुसार वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी के नाम से तैयार होने वाले सेंटर का भूमि पूजन हो गया। आपश्री व सभी शहरवासियों का स्वागत। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल के अनुसार इस भवन व हॉस्पीटल को दिसम्बर 2022 तक तैयार करने का लक्ष्य है ओर 7 मंजिला सेंटर में सेवा के सभी आयाम होंगे।

नारायण सेवा संस्थान की मानव सेवा : नारायण सेवा संस्थान की गरीब दिव्यांगजनो की सेवा के लिए 23 अक्टूम्बर 1985 को पद्म श्री कैलाश जी मानव ने नींव रखी थी। नारायण सेवा संस्थान 34 सालों से दिव्यांगों की सेवा के क्षेत्र में कार्यरत है, यह अब तक 4,25,000 से भी अधिक दिव्यांग बंधुओं को नया जीवन दे चुका है। संस्थान की सम्पूर्ण भारत में 480 शाखाएं और विदेश में 86 शाखाएं अपनी सेवाएं दे रही है। संस्थान में भारत अलावा अफगानिस्तान, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, यूक्रेन, ब्रिटेन और युंगाडा व यूएसए से भी इलाज के लिए मरीज आते रहते हैं। संस्थान ने पिछले 34 सालों में करीब, चार लाख से ज्यादा दिव्यांगजनों के सफल ऑपरेशन किए है। संस्थान ने करीब 2.63 लाख ट्राई साईकील, 2.73 लाख व्हील चेयर और पांच लाख से ज्यादा निःशुल्क कृत्रिम अंगों का वितरण कर चुका है। संस्थान के 17 हॉस्पीटल, 125 डॉक्टर्स व नंर्सिग की टीम और 800 सेवा साधकों के साथ मानवता की सेवा कर रहे हैं। संस्थान का दिव्यांगों की सेवा प्रमुख ध्येय है और आदिवासी ग्रामीण बच्चों की दयनीय स्थिति देखकर संस्थान ने निःशुल्क अंग्रेजी माध्यम की डिजिटल शिक्षा के लिए नारायण चिल्ड्रन एकेडमी की स्थापना की है। जिसके तहत स्कूल बस – पिकअप ,ड्रॉप, स्मार्ट क्लास , इन्डोर– आउटडोर गेम्स, खेल मैदान, पुस्तकें स्टेशनरी, गणवेश, भोजन, नाश्ता आदि की सुविधायें निःशुल्क उपलब्ध करवाई जाती है। वहीं संस्थान ने 2109 दिव्यांगों को फ्री स्किल डेवलपमेंट कोर्स कराया है। वहीं 2109 दिव्यांग एवं निर्धन जोड़ों की शादी कराई है।

वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी : 450 बैड वाला हॉस्पीटल तैयार होगा

उदयपुर में बनने वाले वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी में आमजन के लिए 450 बैड वाला हॉस्पीटल तैयार होगा जिसमें निःशुल्क चिकित्सा सुविधा मिलेगी। इसमें आवश्यक आधुनिक शल्य चिकित्साएं, जांचें, ओपीडी सहित दिव्यांग व निशक्तजनों को उपचार की सुविधाएं दी जाएगी। साथ ही सेंटर में ही भारत का प्रथम केन्द्रीय मानव कृत्रिम अंगों का निर्माण सेंटर बनेगा और यहां तैयार होने वाले कृत्रिम अंगों का जरूरतमंदों को निःशुल्क वितरण भी किया जाएगा।

मूक, बधिर, निर्धन बच्चों को प्रशिक्षण देकर आत्म निर्भर बनाएंगे

वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी के फेब्रिकेशन सेंटर में निःशुल्क, प्रज्ञाचक्षु, विमंदित, मूकबधिर, अनाथ एवं निर्धन बच्चों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी और उन्हें रोजगारोन्मुखी व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर पूर्ण देकर पूर्णकालिक आत्मनिर्भर बनाया जाएगा।

सेवा कामों को सुचारू चलाने के लिए बनाया जा रहा है सेंटर

सेवा कामों को सुचारू रूप से चलाने के लिए नारायण सेवा संस्थान ने यू .आई. टी. से 200 गुणा 200 वर्गफिट की जमीन को ऑक्शन से 25 अप्रेल 2019 को अधिगृहित किया। यह भूमि उदयपुर शहर के मध्य 100 फिट रोड़, टी पाइंट, माली कॉलोनी में स्थित है। यह दोनों रेलवे स्टेशन, बस स्टेण्ड , प्राईवेट बस स्टेण्ड से मात्र 10 मिनट की दूरी पर स्थित है जिससे दिव्यांगों को आसानी होगी। इस भूमि पर संस्थान निःशुल्क संपूर्ण सुविधा सहित दिव्यांगों की सर्व सेवार्थ अस्पताल बनाएगा। इसमें 3 शल्य चिकित्सालय कक्ष, 450 बैड एव पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड, नर्सिंग सुविधाएं, आवश्यक जांचों के लिए प्रयोगशाला, रोगी बंधुओं व उनके परिजनों के ठहरने की व्यवस्थाएं, कौशल विकास केन्द्रो से प्रशिक्षण कार्य, मूक बधिर, प्रज्ञा चक्षु एवं मानसिक विमंदित बच्चों के लिए रोजगारपरक क्लासेज व गुरुजी तथा माताजी के सेवालय व आवास व्यवस्था एवं आडिटोरियम तैयार होगा। सेंटर में जमीन के नीचे 2 तल व लोअर ग्रांउड फ्लोर एवं 7 ऊपरी तल बनाए जा रहें है।

ये सब कुछ होगा वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी

बेसमेंट द्वितीय : व्लर्ड ऑफ ह्यूमैनिटी मे तैयार होने वाले बेसमेंट द्वितीय में पार्किगं , सीवरेज परिशोधन संयत्र भण्डार, जल परिशोधन संयंत्र भण्डार, आपदा प्रबंधन केन्द्र।

बेसमेंट प्रथम : सत्संग हॉल, पार्किंग , जल परिशोधन संयंत्र भण्डार, सीवरेज परिशोधन संयंत्र भण्डार, आपदा प्रबंधन केन्द्र, सत्संग स्वाध्याय हॉल।

लोअर ग्राउंड फ्लोर : दवाघर, फिजियोथैरेपी, दिव्यांग पंजीयन केन्द्र, डायग्नोसिस सेन्टर, दिव्यांग प्रतीक्षालय, जलपान गृह।

अपर ग्राउंड फ्लोर : कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला, एक्सरे, इ. सी.जी. पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड , हस्तशिल्प कला केन्द्र, व्यावासयिक प्रशिक्षण केन्द्र, सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र।

पहला तल : सत्संग प्रवचन रिकार्डिंग स्टूडियो।

दूसरा तल : ऑपरेशन थियेटर, गहन चिकित्सा इकाई, पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड, डॉक्टर कक्ष, प्लास्टर कक्ष, रसोईघर , पुस्तकालय, ऑपरेशन थियेटर।

तीसरा और चौथा तल : पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड, प्री ऑपरेटिव वार्ड, गहन चिकित्सा इकाई।

पांचवां तल : आवासीय स्कूल एवं कक्षा कक्ष, व्यावसयिक प्रशिक्षण केन्द्र, कम्प्यूटर ट्रेनिंग सेन्टर।

छठा तल : प्लास्टर कक्ष, रसोईघर, पुस्तकालय कॉल सेन्टर, ओडिटोरियम।

सातवां तल : ओडिटोरियम ,ध्यान केन्द्र, रसोई कक्ष आदि होगा।

आपश्री का सहयोग मिले : प्रार्थना

भारत के विभिन्न शहरों में 720 स्नेह मिलन

2026 के अंत तक 720 मिलन समारोह आयोजित करने का संकल्प

960 शिविरों द्वारा निःशुल्क जांच एवं उपचार

2026 के अंत तक 960 आर्टिफिशियल लिम्ब केम्प लगाये जायेंगे।

1200 नई शाखाएं

2026 के अंत तक 1200 नई शाखाएं खोलने का लक्ष्य।

120 कथाएं

2026 के अंत तक विभिन्न शहरों में 120 कथाएं आयोजित की जायेंगी।

वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी

2026 के अंत तक वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी का निर्माण पूर्ण होकर 10 हजार से अधिक लोग लाभान्वित होंगे।

नारायण सेवा केन्द्र

आगामी 5 वर्षों में संस्थान के वर्तमान में संचालित सभी केन्द्रों में रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण आरम्भ किये जायेंगे।

विदेश में सेवा प्रकल्पों का विस्तार

26 देशों में पंजीयन

वर्ष 2026 के अंत तक 26 देशों में संस्थान के पंजीकृत कार्यालय खोलने का लक्ष्य

6 से सेवा केन्द्र का शुभारम्भ

6 से अधिक देशों में केन्द्र स्थापित कर संस्थान सेवाओं को देगा विस्तार

20 हजार दिव्यांगों को लाभ

विदेश के 20 हजार से अधिक जरूरतमंद एवं रोगियों को लाभान्वित करने का होगा प्रयास

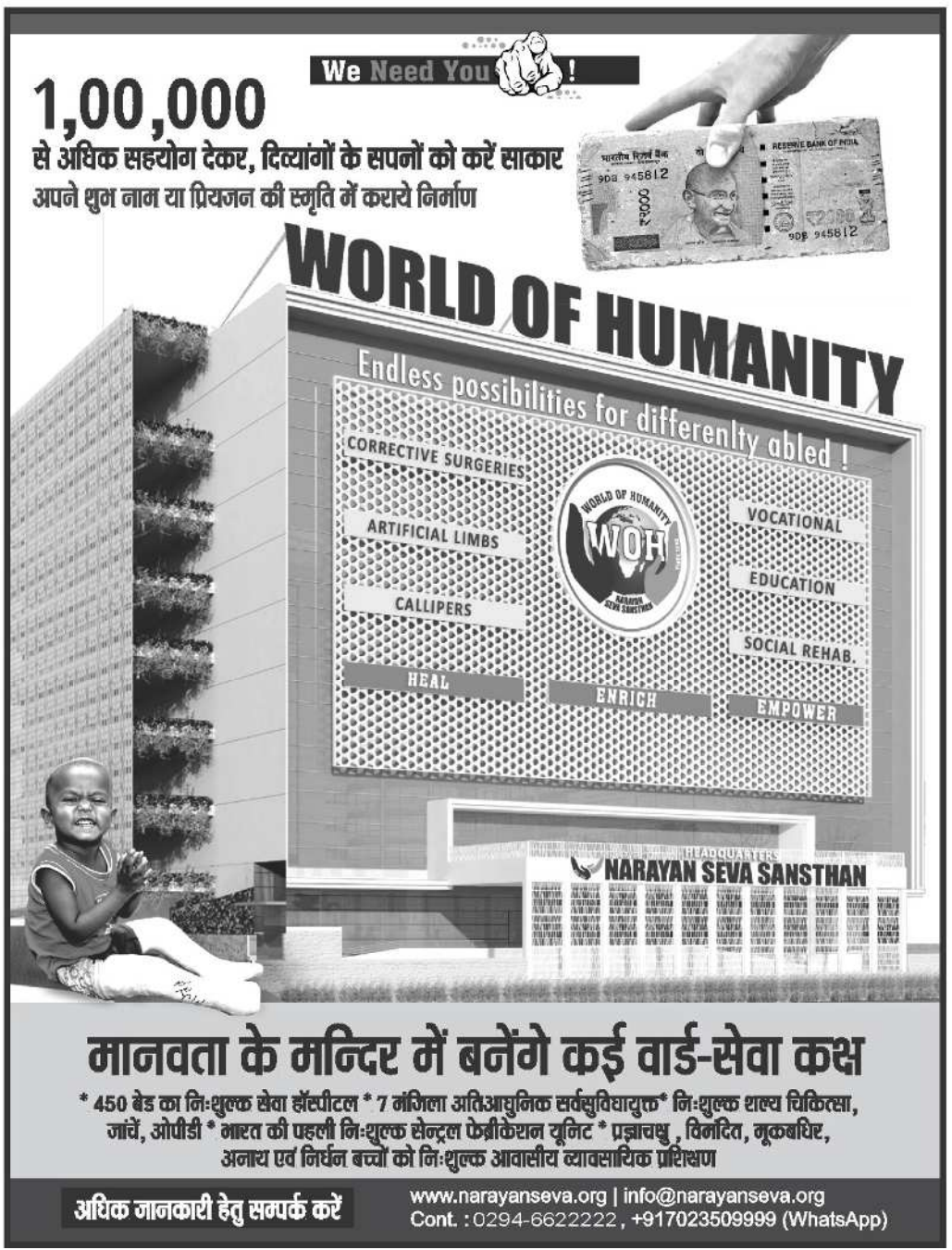

सम्पादकीय

सुख और दुःख अनुभूतियों का खेल है। सच में न तो सुख है और न दुःख। किन्तु व्यक्ति का सारा जीवन दुःख से मुक्ति पाने और सुख की प्राप्ति के प्रयासों में ही पूरा हो जाता है। सुख और दुःख वस्तुतः दोनों आभासी हैं। इनकी वास्तविकता कुछ भी नहीं है। हमारे मन के अनुरूप जो कार्य नहीं होता वह हमें दुःखी करता है और जो कार्य हमारे मन के अनुसार होता है उससे हमें सुख की अनुभूति होती है। इसका अर्थ है कि सुख व दुःख केवल मन की दो स्थितियां हैं। लेकिन हम रातदिन अपने मन के अनुसार ही चलने के आदी हो रहे हैं। यह जाने हुए भी कि हमें मंजिल तक पहुँचने में मन ही बाधक या साधक होता है पर हम मन का नियंत्रण सही ढंग से कर नहीं पाते। प्राचीन काल की शिक्षा, सत्संग, उपदेश, आचरण सभी का सार था मन पर नियंत्रण। मन को घोड़ों की संज्ञा देकर उस पर लगाम लगाने की हर चिंतक व प्रवर्तक ने सलाह दी है, पर उसे आचरण में हमें ही लाना होगा तब हम सुख के बजाय आनंद की खोज में लग सकेंगे।

कुछ काव्यमय

सुख दुःख जीवन के द्वन्द्व हैं,
ये मन की अनुभूतियां हैं।
इस द्वन्द्व से उबरने हेतु
ऋषि–मुनियों ने
सृजित की श्रुतियां हैं।
मन को जीतें तो जीत
हमारी ही होगी।
वरना तो हम
बनके रह जायेंगे भोगी।

- वरदीचन्द राव

समानता की पूजा

भ्रमण के दौरान नेपोलियन ने देखा कि कुछ मजदूर मिलकर लोहे के भारी भरकम खम्भे को उठाने की कोशिश कर रहे हैं, किन्तु खम्भा उठ नहीं रहा है। मजदूरों के साथ ही एक सफेदपोश व्यक्ति खड़ा था, जो उन सबको निर्देश देकर बता रहा था कि किस तरीके से सब मिल कर खम्भे को उठा सकते हैं। यह देख नेपोलियन उसके पास पहुँचा और उस सफेदपोश व्यक्ति से बोला –'आप इनको समझा तो रहे हैं, पर खुद उनकी मदद में क्यों नहीं लग जाते ? इससे काम आसान हो जाएगा।'

नेपोलियन की राय पर वह सफेदपोश गुस्से में झिड़कते हुए बोला –'तुम्हें शायद नहीं मालूम, मैं कौन हूँ ? मेरा और इन मजदूरों का रिश्ता मालिक और नौकर का है।' सफेदपोश की बात सुनकर शान्त–भाव से नेपोलियन ने मजदूरों की मदद की और खम्भे को उठाकर रखवा दिया।

सफेदपोश ठेकेदार नेपोलियन के पास आया और बड़ी अकड़ व घमण्ड से बोला –'तू कौन है रे ? नेपोलियन ने उत्तर दिया –'श्रीमान् ! मुझे नेपोलियन कहते हैं।' 'नेपोलियन !' ठेकेदार के मुँह से अचानक निमल पड़ा। वह अपनी असभ्य हरकत से घबरा उठा और अपनी धृष्टता के लिए नेपोलियन से माफी माँगने लगा।

नोपोलियन ने सौभ्य भाव से उसे इतना ही कहा – 'देखो, किसी कार्य तथा आदमी में छोटे–बड़े का भेद मत करो, क्योंकि सभी समान हैं।'

कैलाश जी मानव की अपील

मानवता का संसार में एक ईंट आपकी ओर से भी लगे श्रीमान्

पिछले 34 वर्षों में आपके अपने संस्थान में 4 लाख 25 हजार से अधिक निःशक्त रोगियों का सफल ऑपरेशन कर उन्हें शारीरिक, आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सुदृढ़ बनाया है । लेकिन अब भी दिव्यांगता से ग्रस्त रोगी बड़ी संख्या में आ रहे हैं। जिसकी वजह से प्रतीक्षारत रोगियों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। संसाधनों और स्थान की वृद्धि करने तथा प्रतीक्षारत रोगियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से वर्ल्ड ऑफ ह्यूमेनिटी (मानवता का संसार) नामक अति आधुनिक हॉस्पिटल का निर्माण किया जा रहा है। 2 लाख 44 हजार वर्गफीट में बनने वाली 7 मंजिला इस इमारत में 450 बेड़, ऑपरेशन थियेटर, आईसीयु, अत्याधुनिक लेबोरेट्री, डिजिटल एक्स–रे एवं भारत की प्रथम विश्स्तरीय कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला संचालित होगी। साथ ही इस भवन में शारीरिक व मानसिक अक्षमता के रोगी भाई– बहनों को रोजगारोन्मुखी बनाने के लिए 20 व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, सेरेब्रल पाल्सी से ग्रसित बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विशाल सीपी पार्क, 1 हजार से अधिक निःशक्त रोगी एवं परिचारकों के आवास एवं भोजन की अति उत्तम सुविधा, विशाल प्रार्थना हॉल दिव्यांगों के हुनर को सम्पूर्ण विश्व में प्रसारित करने के उद्देश्य से ऑडिटोरियम का निर्माण किया जाएगा । इस ग्रीन बिल्डिंग में पर्यावरण के मानकों को ध्यान में रखते हुये जल संरक्षण हेतु वाटर हार्वेस्टिंग वाटरट्रीटमेंट प्लान्ट, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लान्ट, सौर ऊर्जा संयंत्र आदि स्थापित होंगे।

दया एवं करुणा से ओत– प्रोत सहृदयी आप सभी दानवीरों से प्रार्थना है कि इस पावन पुनीत यज्ञ में अपनी आहुति अवश्य दें। सेवा के इस मन्दिर को बनाने में एक– एक ईंट आपकी ओर से भी लगे, ऐसी विनम्र प्रार्थना है। कृपया इस शुभ निर्माण कार्य में साथ जुड़ें।

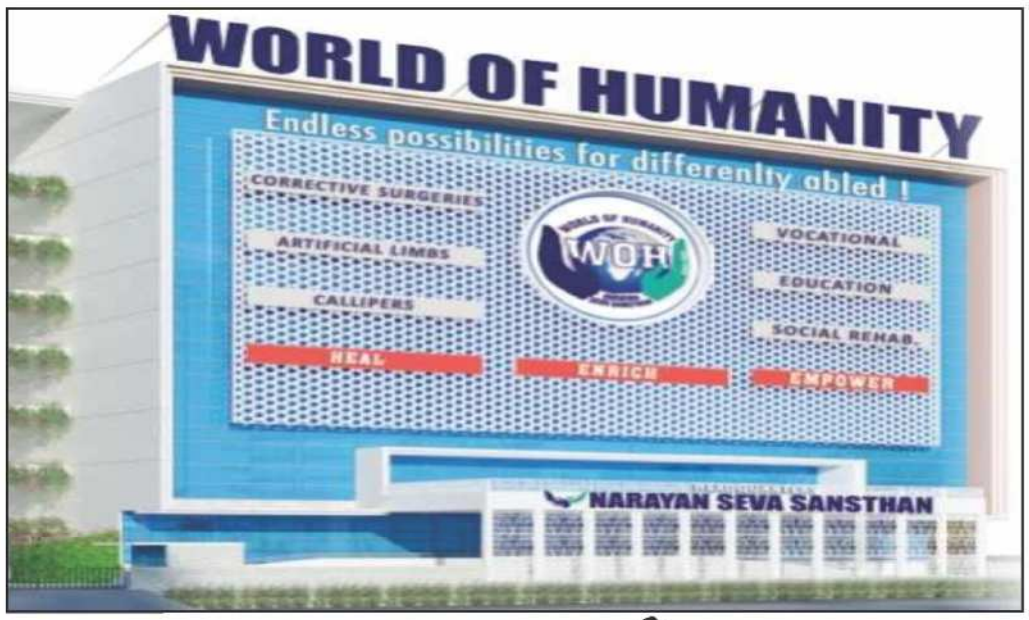

सेवा से जिंदगी बदली

सुमी कुमारी, आयु –15 वर्ष –गाँव –सैमरा, जिला – गोपालगंज (बिहार)। बायें पैर में पोलियो था। पंजा मुड़ा हुआ था। चलने में कठिनाई होती थी। किसी इलाज करवा चुके पड़ोसी से संस्थान की जानकारी मिली। यहाँ आए और ऑपरेशन सम्पन्न हुआ। अब सीधे चल सकती है। डॉक्टर्स ने कहा है, कुछ समय वॉकर की सहायता लेने से जल्दी ही अपने आप चल सकेगी। संस्थान की व्यवस्थाएँ बहुत अच्छी है।

ओम प्रकाश, आयु – 24 वर्ष, गाँव –सरेखापुर, धुदीवाला, म.प्र.। बचपन से ही दोनों पैरों व एक हाथ में पोलियो था। पहले एक शिविर में ऑपरेशन करवाया पर लाभ नहीं हुआ। टी.वी. प्रसारण देख कर संस्थान की जानकारी मिली और यहाँ आकर दिखाया। ऑपरेशन की तारीख मिलने पर ऑपरेशन करवाये। मुड़ा हुआ पाँव सीधा हो गया है। अब कैलिपर्स के सहारे चल–फिर सकता है।

हटा राह का रोड़ा

रेल से कटे दोनों पांव, नारायण सेवा ने फिर चला दिया

कोरबा (छत्तीसगढ़) जिले के गांव केराकछार निवासी लम्बोहर कुमार एक बोरवेल कंपनी में काम करते हुए अपने परिवार के साथ खुश थे कि एकाएक जिंदगी की राह में रोड़ा खड़ा हो गया। वे अपने साथ घटी पूरी घटना का जिक्र करते हुए बताते हैं कि किसी काम से वे गांव से बिलासपुर जा रहे थे। रेलवे स्टेशन पर पटरी पार करते समय गिर पड़े और अचानक आई ट्रेन ने उनके दोनों पांव छीन लिए।

घटना ने परिवार को गहरे संकट में डाल दिया। इलाज में पैसा खर्च हो गया और काम–धंधा छोड़कर घर बैठना पड़ा। कुछ समय बीतने पर उनके एक मित्र पप्पू कुमार ने बताया कि उदयपुर में नारायण सेवा संस्थान निःशुल्क कृत्रिम पैर लगाता है।

इस समाचार से उम्मीद की किरण दिखाई दी। वे पिता तीजराम के साथ उदयपुर पहुंचे। जहां उनके दोनों कटे पांव का नाप लेकर कृत्रिम पैर बनाए गए। वे कहते हैं अब मैं उन पैरों के सहारे आराम से चलता हूं और आजीविका से जुड़कर परिवार के पोषण में मदद भी कर रहा हूँ। नारायण सेवा संस्थान का बहुत–बहुत आभार।

नारायण सेवा संस्थान से आई खुशी की बहार

मेरा नाम सोनू, उम्र 13 वर्ष है। मेरे पिता जी श्री प्रभूनाथ जी है। हम जिला सिवान बिहार के निवासी है। मेरे दोनों पैरों में पोलियो हो गया है। मेरे पिताजी ने मेरा काफी जगहों पर इलाज करवाया पर कहीं से भी विश्वास पूर्ण जवाब नहीं मिला।

एक दिन मैं सड़क पर घिसटते हुए चल रहा था कि एक व्यक्ति ने मुझे बोला कि तुम नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर में चले जाओ, और वहाँ पर निःशुल्क ऑपरेशन किया जाता है। मैं उससे संस्थान का पता लेकर घर गया, और घर वालों को बताया। मेरे पिता जी मुझे संस्थान में लाये। मेरे पैरों का ऑपरेशन हो गया। मैं अब अपने पैरों पर खड़ा हो सकता हूँ। मेरे जीवन में एक खुशी की बहार आ गयी है। ▪

***

कक्षा 10वीं में अध्ययनरत 17 वर्षीय अनीता पिता श्री प्रहलाद महाराष्ट्र निवासी को जन्म के 10 माह बाद तेज बुखार में इंजेक्शन लगवाने पर पोलियो हो गया।

अनीता के पिता श्री प्रहलाद, जो पेशे से मजदूर है – बताते है कि आर्थिक परेशानी के कारण परिवार का खर्च चलाना भी कठिनाई से होता है। अतः अपनी पुत्री अनीता का इलाज करवाने की कभी सोच ही नहीं सका। एक दिन मुझे संस्थान के बारे में जानकारी मिली और पता चला कि यहाँ दिव्यांगता का निःशुल्क इलाज होता है तो मैं अनीता को यहाँ लेकर आया।

डॉक्टर्स ने जाँच करके ऑपरेशन के बाद अनीता के पोलियो मुक्त होने की सम्भावना बताई। बड़ी उम्मीदों के साथ अनीता का ऑपरेशन हो चुका है और वह दिव्यांगता से मुक्त हो चुकी है। यहाँ मेरा एक भी पैसा खर्च नहीं हुआ है। ▪

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियो ग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	13 ऑपरेशन के लिए	52,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000	5 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	13,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति

(वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)

नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7000/-

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5000	15,000	25,000	55,000
व्हील चेयर	4000	12,000	20,000	44,000
केलीपर	2000	6,000	10,000	22,000
वैशाखी	500	1,500	2,500	5,500
कृत्रिम हाथ/पैर	5100	15,300	25,500	56,100

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

मो नं. : +91-294-6622222 वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

गंभीर रोगों का कारण बन सकता है सुबह उठते ही मोबाइल फोन देखना

आज मोबाइल के बिना किसी का काम नहीं चलता है। मोबाइल ने कई तरह से काम आसान कर दिए हैं, लेकिन यह एक लत के समान भी हो चुका है। लोग फोन का इतना ज्यादा इस्तेमाल करने लगे है कि अब तो रात को सोते–सोते मोबाइल देखते हैं और सुबह उठते ही मोबाइल का इस्तेमाल सेहत के लिए अच्छा नहीं है। साथ ही यह और भी तरह से नुकसान पहुंचाता है।

तनाव और चिंता

- हमेशा अपने दिन की शुरूआत बिना किसी तनाव और चिंता के शांति से करना बेहतर होता है।
- अगर सुबह उठते ही मोबाइल हाथ में लिया तो फोन मैसेजेस, ई–मेल्स, रिमांडर, इंस्टाग्राम पोस्ट्स आदि से भरा होता है, जो चिंता और तनाव की वजह बन सकता है।
- नींद से उठते ही अगर सोशल मीडिया चेक करने लगते है तो दिमाग उसी में बंध जाता है और गैर–जरूरी जानकारियों से भर जाता है। दिन की शुरूआत तनाव और चिंता से करना सेहत के लिए ठीक कतई नहीं है।
- **चिड़चिड़ापन बढ़ता है** : सुबह उठते ही मोबाइल फोन चेक करते है तो न चाहते हुए भी चिड़चिड़ापन आ जाता है। सुबह के रूटीन की शुरूआत मोबाइल से होने पर स्वभाव में बदलाव आ सकता है। इसका कारण यही है कि सुबह उठकर मोबाइल में अलग कोई ऐसी बात देख ली जो नकारात्मक है तो इसकी सीधा असर मूड पर पड़ता है। बात–बात पर गुस्सा आना भी इसकी वजह से हो सकता है।
- **कार्यक्षमता पर असर** : सुबह का काम मोबाइल देखना हो तो नोटिफिकेशन देखने के बाद कई बार दिमाग उसी विषय में सोचने लगता है। इससे दूसरे काम में मन नहीं लगता और ऐसा होने पर कार्यक्षमता पर असर पड़ता है।
- **डिप्रेशन की आशंका** : रात को सोते समय भी मोबाइल और उठते समय भी मोबाइल देखने वालों के साथ तो स्थिति और खराब हो सकती है। नियमित रूप से ऐसा रूटीन फॉलो करने वाले डिप्रशेन के शिकार हो सकते हैं। इसकी वजह तुलना भी हो सकती है। सुबह उठते ही फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप स्टेट्स आदि देख लेने से कई बार लोग तुलना में फंस जाते हैं। दूसरों की जीवनशैली देखकर परेशान हो जाते हैं और खुद से तुलना करने लगते हैं, जिसकी वजह से डिप्रेशन की स्थिति तक आ सकती है।

(यह जानकारी विविध स्रोतों से प्राप्त है कृपया चिकित्सक से सलाह अवश्य लें।)

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें - अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टेन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	Branch Address	RTGS/NEFT Code	Account
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	Udaipur Main	UBIN0531014	310102050000148

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार छूट के योग्य है।

मन के जीते जीत सदा (दैनिक समाचार-पत्र) प्रकाशक : कैलाश चन्द्र अग्रवाल 483, सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, से. 4, उदयपुर (राज.) स्वामित्व : नारायण सेवा संस्थान प्रकाशन स्थल : ई, डी-71 बप्पा रावल नगर, हि.म. सेक्टर-6, उदयपुर
मुद्रक : न्यूट्रेक ऑफसेट प्रिंटर्स, 13, भोपा मगरी, बी.एस.एन.एल. एक्सचेंज के पास, हिरण मगरी, सेक्टर - 3 उदयपुर (राज.) के लिए नारायण प्रिंटिंग प्रेस, सेवा महातीर्थ, लियो का गुडा, उदयपुर
सम्पादक : लक्ष्मीलाल गाडरी, मो. 8278607811, 9119398965 • ई-मेल : mankijeet2015@gmail.com • आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/59353, • डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023